।। ॐ नमः शिवाय।।

।। श्री गुरुवे नमः ।।

देशभर में प्रशंसित, प्रमाणित एवं ख्यातिप्राप्त

मई 2025 से मार्च माह 2026

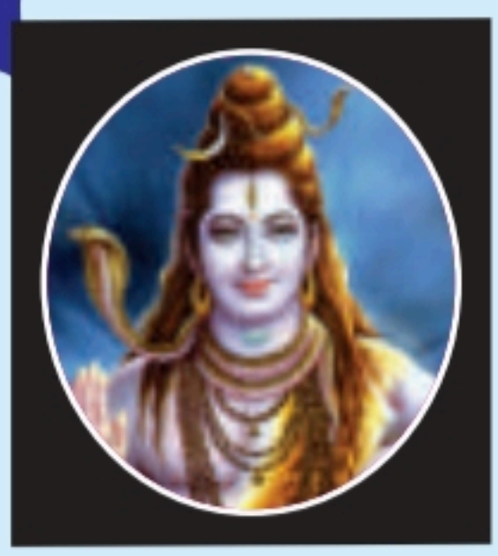

माँ गंगे शिव शँकर

तीर्थ यात्रा (रजि०) ऋषिकेश

संस्थापक – स्व0 लाला जगदीश प्रसाद अग्रवाल

प्रबन्धक–दीपक अग्रवाल

रेल रिजर्वेशन एवं हवाई जहाज द्वारा

जगन्नाथपुरी धाम | ज्योतिर्लिंग यात्रा | भूटान/नेपाल

डीलक्स बस द्वारा | द्वारिकापुरी धाम | पूर्वोत्तर भारत

उत्तराखण्ड चारधाम | दक्षिण भारत | अन्य यात्राऐं

यात्रा बुकिंग टिकिट प्राप्ति एवं अन्य समस्त जानकारी हेतु सम्पर्क करें या लिखें।

हैड ऑफिस ऋषिकेश

माँ गंगे शिवशंकर तीर्थयात्रा (रजि0)

455, सुभाष नगर (बनखण्डी), ऋषिकेश

जिला-देहरादून (उत्तराखण्ड)-249201

Mob : 09412050468, 09411385668

Ph. : 0135-2436668

दिल्ली ऑफिस

माँ गंगे शिवशंकर तीर्थयात्रा (रजि0)

सुभाष चन्द शर्मा

फ्लैट नं0 304, वसुधा अपार्टमेंट

सेक्टर-9, रोहिणी, दिल्ली-85

मो:- 9717311714, 9213758770

website : www.maagangetirthyatra.com | Whatsapp no. ( ) 9412050468

हमारे बारे में...

माँ गंगे शिवशंकर तीर्थयात्रा कम्पनी भारत की तीर्थयात्रा कराने वाली सबसे लोकप्रिय एवं प्रतिष्ठित यात्रा कम्पनी है जो उत्तराखण्ड चारधाम बस द्वारा व नेपाल/भूटान, पूर्वोत्तर भारत, दक्षिण भारत, द्वारिकापुरी धाम, जगन्नाथपुरी धाम, ज्योतिर्लिंग यात्रा रेल रिजर्वेशन द्वारा कराने का सर्वाधिक अनुभव रखती है एवं हमारी कम्पनी द्वारा हजारों यात्री यात्रा कर चुके हैं तथा वे सभी पूर्ण रूप से सन्तुष्ट हैं। हमारी यात्रा कम्पनी के सचालक श्री दीपक अग्रवाल कई वर्षों का अनुभव रखते हैं। माँ गंगे शिवशंकर तीर्थयात्रा कम्पनी का रजिस्टर्ड कार्यालय/हेड ऑफिस ऋषिकेश स्थित है।

उद्देश्य : हमारा उद्देश्य तीर्थयात्रा से धन कमाना नहीं है वरन् यात्रियों को अधिक से अधिक सुविधा, तीर्थों के दर्शन व धार्मिक स्थानों, पर्यटन स्थलों के दर्शन लाभ कराना है व उन बुजुर्गों को सेवा-भाव से उन धार्मिक यात्राओं को कराना है जिनको वे अकेले नहीं कर सकते हैं। हमारा प्रयास सदैव यही होता है कि उनको घर जैसी व्यवस्था व माहौल उपलब्ध कराएं।

अनुरोधः- यात्रियों से अनुरोध है कि हमारी कम्पनी का नाम माँ गंगे शिवशंकर तीर्थयात्रा कम्पनी ऋषिकेश है। हमारी कम्पनी की सफलता को देखते हुए अन्य बहुत से अनुभवहीन लोगों के द्वारा माँ गंगे के स्थान पर अन्य शब्द लगाकर व भारी छूट, हवाई यात्रा फ्री का प्रलोभन देकर बुकिंग कर ली जाती हैं। बाद में यात्रियों को असुविधा होती है या उनकी यात्रा ही नहीं जाती है। इसलिये आपसे अनुरोध है कि आप उनसे दस साल पुराने यात्रियों की सूची मांगे व उनके पुराने यात्रियों से सम्पर्क करके सुविधा व्यवस्था की जानकारी लें तभी आपको वास्तविकता ज्ञात होगी।

चूंकि हम यात्रियों को पूरी-पूरी सुविधा प्रदान करते हैं, सन्तुष्ट रखते हैं अतः हमारा खर्चा अन्य यात्रा कम्पनियों से अधिक रहता है। यात्रियों से निवेदन है कि कृपया किसी के बहाकावे में ना आऐं व हमारे यहां यात्रा कर चुके पुराने यात्रियों से सुविधा, व्यवस्था की जानकारी प्राप्त करें एवं पूर्ण सन्तुष्ट होने पर ही सीट बुक करायें। हमारे द्वारा बनाई गई यात्रा कार्यक्रम की बुकिंग 12 महीने चालू रहती है। अतः आपसे अनुरोध है कि समय से बुकिंग कराऐं जिससे आपकी वर्थ सुरक्षित हो सके।

धन्यवाद!

दीपक अग्रवाल

फर्म का नाम- माँ गंगे शिव शंकर तीर्थ यात्रा कं.
IDBI BANK, Branch-Rishikesh
Ac No. : 1070102000006941
IFSC Code - IBKL 0001070
google Pay (G) & Phone Pe (पे) - 9412050468

2x2 पुश बैक डीलक्स बस द्वारा

उत्तराखण्ड चार धाम यात्रा

बद्रीनाथ **केदारनाथ**

गंगोत्री **यमनोत्री**

सुविधाएँ बस यात्रा

शयन व्यवस्था :–उत्तराखण्ड यात्रियों को ठहरने की व्यवस्था गेस्ट हाउस में रहेगी। जिसमें रूम अटैच लेट बॉथ के रहेंगे एवं 4/5 बैड के रूम रहेंगे।

भोजन व्यवस्था :– यात्रियों को यात्रा समय में सुबह की चाय, नाश्ता, दोपहर एवं रात्रि भोजन में एक दाल, एक सब्जी, चावल, रोटी का पूरा प्रबन्ध रहेगा। शाम को चाय दी जाएगी। रोटी व चावल में शुद्ध देशी घी का प्रयोग होगा एवं नाश्ता व सब्जी एवं पूरी में शुद्ध रिफाइण्ड का प्रयोग होगा। चावल बासमती बनाया जाएगा। यात्रा समय में यथा सम्भव पापड, चटनी, अचार भोजन के साथ दिया जायेगा एवं पैदल यात्रा (यमुनोत्री–केदारनाथ) के दौरान लन्च पैकेट दिया जाएगा। प्याज एवं लहसुन का प्रयोग वर्जित होगा।

मार्गदर्शक व्यवस्थाः– प्रत्येक बस में कम्पनी के प्रतिनिधि होंगे जो समय समय पर मार्गदर्शन करते रहेंगे व मन्दिर तक लाने ले जाने में सहयोग करेंगे।

आवश्यक सामानः– यात्रियों को अपने साथ पहनने के गर्म कपड़े, टॉर्च, एक गिलास, एक चम्मच व आवश्यक दवा (यदि आप लेते हो तो), बैडशीट (चादर), छाता, पानी की बोतल, ताला चाबी एवं असली पहचान पत्र एवं साथ लेकर आवें। थाली एवं कटोरी की व्यवस्था कम्पनी की तरफ से होगी।

नियम

नोट – 1. यह यात्रा पहाड़ी क्षेत्र की होने के कारण समय एवं स्थान में (ठहरने का) परिवर्तन हो सकता है एवं प्राकृतिक परिस्थिति में कुछ असुविधा होना स्वाभाविक है। उस समय यात्री तपस्या की भावना से काम लेवे।

2. केदारनाथ में लगभग 17 व यमुनोत्री में 7 किलोमीटर पैदल जाना व आना पड़ेगा। यदि कोई यात्री पैदल चलने में असमर्थ है तो अपने स्वयं के खर्चे पर डांडी–कांडी, पालकी व खच्चरों का प्रयोग कर सकता है।
3. जो यात्री केदारनाथ की यात्रा हेलीकॉप्टर द्वारा करना चाहता है वो स्वयं ऑन लाईन बुकिंग कराये एवं दिनांक एवं समय फोन द्वारा हैड ऑफिस से पता करें।
4. पहाड़ी क्षेत्र होने के कारण गेस्ट हाउस/धर्मशाला में कमरों की व्यवस्था पहली/दूसरी/तीसरी मंजिल की होती हैं अत: यात्री प्रबन्धक का सहयोग करें।
5. मन्दिर दर्शन, एन्ट्री फीस, घोड़ा, हैलीकॉप्टर, पालकी, पूजा अभिषेक एवं स्पेशल दर्शन का चार्ज यात्री को स्वयं को देना होगा।
6. यदि कोई यात्री किसी भी कारणवश या अस्वस्थ होने की वजह से यात्रा अधूरी छोड़ेगा तो उसको जमा किराया वापस नहीं लौटाया जाएगा।

उत्तराखण्ड चारधाम तीर्थ यात्रा

(2X2 पुश बैक बसों द्वारा)

यात्रा समय : 12 दिवस

05 सितम्बर एवं 05 अक्टूबर 2025

दिन	दर्शनीय स्थल
पहला दिन	हरिद्वार आगमन। (रात्रि विश्राम महाजन भवन, दूधाधारी चौक, भूपतवाला, हरिद्वार में)।
दूसरा दिन	हरिद्वार से बस द्वारा यमुनोत्री हेतु प्रस्थान। (रात्रि विश्राम - स्यानाचट्टी/खरादी)
तीसरा दिन	स्यानाचट्टी से यमुनोत्री प्रस्थान, जानकी चट्टी से यमुनोत्री पैदल यात्रा। (रात्रि विश्राम - खरादी)
चौथा दिन	स्यानाचट्टी से प्रस्थान उत्तरकाशी, काशी विश्वनाथ शिव मन्दिर दर्शन। (रात्रि विश्राम - उत्तरकाशी)
पांचवा दिन	उत्तरकाशी से गंगोत्री प्रस्थान, गंगोत्री दर्शन, गंगा स्नान। (रात्रि विश्राम - उत्तरकाशी)
छठा दिन	उत्तरकाशी से केदारनाथ हेतु प्रस्थान (रात्रि विश्राम - रामपुर)
सातवां दिन	सीतापुर/सोनप्रयाग तक बस द्वारा (सोनप्रयाग से गौरीकुण्ड जीप द्वारा स्वयं) व गौरीकुण्ड से केदारनाथ पैदल/घोडा/पालकी यात्रा स्वयं)। (रात्रि भोजन व विश्राम केदारनाथ टेंट में)
आठवां दिन	केदारनाथ धाम में ज्योतिर्लिंग दर्शन। केदारनाथ से प्रस्थान। (रात्रि विश्राम - रामपुर)
नवां दिन	रामपुर से बद्रीनाथ धाम हेतु प्रस्थान (रात्रि विश्राम - बद्रीनाथधाम)
दसवाँ दिन	बद्रीनाथ भगवान के दर्शन, गर्म कुण्ड स्नान व ब्रह्मकपाली में पिण्ड प्रदान। (रात्रि विश्राम- पीपलकोटी)
ग्यारहवां दिन	ऋषिकेश होते हुए प्रस्थान। (रात्रि विश्राम-हरिद्वार।)
बारहवां दिन	मधुर स्मृतियों के साथ यात्रा समाप्त।

<u>यात्रा किराया:</u> चाय, नाश्ता, भोजन, 2X2 बस किराये, आवास (4/5 बैडरूम) सहित 25990/- रूपया प्रति व्यक्ति होगा। डबल बैड का किराया प्रति व्यक्ति 6000/- अतिरिक्त रहेगा। बच्चों का (4 से 8 साल) का किराया 21000/- रूपया होगा व बस में सीट दी जाएगी, कमरे में अलग से बैड नहीं होगा। यात्रा की सदस्यता हेतु अग्रिम धनराशि 5000/- रूपया प्रति यात्री जमा करानी होगी। बकाया किराया हरिद्वार पहुँचने पर (यात्रा प्रारम्भ से पूर्व) नगद लिया जायेगा।

यात्रियों को निम्नलिखित नियमों का पालन करना अनिवार्य है:

1. यदि कोई यात्री अपनी सीट बुक कराकर किसी भी कारणवश सीट कैंसिल करवाना चाहे तो यात्रा की रवानगी की तारीख को छोड़कर उससे 15 दिन पूर्व तक लिखित सूचना देने पर सीट कैंसिल कर दी जायेगी और 50% धनराशि वापिस कर दी जायेगी। रवानगी की तारीख को छोड़कर उससे 15 दिन पूर्व तक लिखित सूचना प्राप्त नहीं होने पर अग्रिम धनराशि वापिस नहीं की जायेगी। व बुकिंग यदि यात्रा दिनांक को छोड़कर अन्तिम 15 दिनों में ही की गई है व वापस सीट केन्सिल यात्री करवाता है तो अग्रिम धनराशि/ 50% धनराशि वापिस नही की जायेगी। यदि यात्रा दिनांक को छोड़कर 5 दिन पूर्व तक यात्री द्वारा यात्रा निरस्त की जाती है तो उस स्थिति में यात्री से यात्रा का सम्पूर्ण किराया लेने का कानूनी रूप से अधिकार संस्था को होगा। इसमें किसी भी प्रकार की रियायत नहीं होगी।
2. रेलवे विभाग द्वारा स्पेशल यात्रा के वास्ते जो भी नियम बनाये गये हैं (सामान के वास्ते व रेलवे टाईम टेबिल के वास्ते) उनका पूर्ण रूप से यात्रियों को पालन करना अनिवार्य होगा। संस्था को पूर्ण अधिकार होगा वह तीर्थों को सुविधानुसार आगे-पीछे कर सकता है। प्रत्येक विवाद का न्यायक्षेत्र केवल ऋषिकेश (देहरादून) होगा। उपभोक्ता समिति के अन्तर्गत आने वाले विवाद का भी न्यायक्षेत्र ऋषिकेश (देहरादून) ही होगा।
3. यदि कोई यात्री किन्हीं कारणवश अथवा अस्वस्थ होने की वजह से अपनी यात्रा अधूरी छोड़कर घर वापिस आना चाहेगा तो उस अवस्था में किराया वापसी किसी भी अवस्था में देय नहीं होगा।
4. संक्रामक रोगी, मादक द्रव्यों का सेवन करने वाले व झगड़ालू/भडकाऊ प्रवृत्ति के यात्रियों को यात्रा से पृथक करने का पूर्ण अधिकार प्रबंधक के पास होगा।
5. प्रबन्धक यात्रियों को अधिक से अधिक सुविधाएँ देने का प्रयास करेंगे फिर भी "परदेश कलेश नरेशं कूं" की कहावत के अनुसार यात्रा में असुविधा होगा स्वभाविक है। उस समय तपस्या की भावना से उसे सहन करें। यात्रियों से अनुरोध है कि वह अपने स्वभाव में परिवर्तन न लायें और अन्य यात्री व स्टाफ के साथ मयार्दित व्यवहार करें एवं व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें।
6. दक्षिण भारत वाली यात्रा में तिरुपति बालाजी के दर्शन के वास्ते यात्री ऑनलाईन टिकट स्वयं बुक करें। हमारे द्वारा फ्री दर्शन की व्यवस्था रहेगी जोकि पूर्णतः उपलब्धता के आधार पर ही निर्भर होगी।
7. मन्दिर दर्शन, एन्ट्री फीस, पूजा अभिषेक एवं स्पेशल दर्शन का चार्ज यात्री को स्वयं को देना होगा।
8. ट्रेन के रद्द होने या कोई कनेक्शन छूटने की स्थिति में यात्रियों को समयानुसार उपलब्ध साधन नॉन ए.सी. बस अथवा रेल के माध्यम से आगे ले जाया जाएगा। उपरोक्त परिस्थति में प्रबन्धक का सहयोग करें।
9. यात्रा कार्यक्रम रेल/बस के कनेक्शन व समय के आधार पर निर्भर होता है। अतः रेल /बस के देर से पहुँचने /बस खराब होने या साप्ताहिक अवकाश/बन्द/रैली /भीड़ आदि के कारण से किसी स्थान पर दर्शन ना होने पर प्रबंधक/संस्था की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।